

पी.आर.एल. द्वारा पांच उत्कृष्ट वैज्ञानिकों का सम्मान

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पी.आर.एल.), अहमदाबाद, विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान के लिए हरि ओम आश्रम प्रेरित डॉ. विक्रम साराभाई अनुसंधान पुरस्कार और पी.आर.एल. अवार्ड - 2017 के लिए पांच उत्कृष्ट वैज्ञानिकों के नामों की घोषणा करता है।

विभिन्न क्षेत्रों में हरि ओम आश्रम प्रेरित डॉ. विक्रम साराभाई अनुसंधान पुरस्कार के प्राप्तक हैं:

1. अंतरिक्ष विज्ञान

रेडियो एस्ट्रोफिजिक्स राष्ट्रीय केंद्र, टीआईएफआर, पुणे के डॉ. तीर्थकर रॉय चौधरी को रेडियो एस्ट्रोफिजिक्स और कॉस्मोलॉजी के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए जिसमें विभिन्न प्रेक्षणों के साथ आत्म-सुसंगत, पुनः आयनीकरण के अर्ध-विश्लेषणात्मक मॉडल का विकास शामिल है

2. अंतरिक्ष अनुप्रयोग

वानिकी और पारिस्थितिकी समूह, रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन एरिया, नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर, हैदराबाद के डॉ. चिन्तला सुधाकर रेड्डी को वन पारिस्थितिकी तंत्र की सूची, मॉनिटरिंग और आकलन में महत्वपूर्ण योगदान के लिए

3. इलेक्ट्रॉनिक्स, इन्फर्मेटिक्स, टेलीमैटिक्स और स्वचालन

आईआईटी दिल्ली, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. मानव भटनागर को अगली पीढ़ी के संचार के लिए मल्टी-एंटीना सिस्टम और क्षीण होती लक्षण वर्णन के रिसीवर डिजाइन में अग्रणी योगदान के लिए

पी.आर.एल. पुरस्कार निम्न वैज्ञानिकों को साझा रूप से प्राप्त हुआ है:

- i. आईआईटी बॉम्बे, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, जलवायु अध्ययन में अंतःविषय कार्यक्रम के डॉ. सुबिमल घोष को भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून के दौरान नमी परिवहन और भूमि-वायुमंडल परस्परक्रिया से संबंधित प्रक्रियाओं में नई अंतर्दृष्टि प्रदान करने वाली सांख्यिकीय और गतिशील दृष्टिकोणों का उपयोग करते हुए क्षेत्रीय जल-मौसम संबंधी मॉडलिंग में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए; एवं
- ii. आईआईटी बॉम्बे, पृथ्वी विज्ञान विभाग के डॉ. हेतु सी. शेठ को डेक्कन बाढ़ बेसाल्ट के जियोडायनामिक्स और पश्चिमी भारत के विभाजित मार्जिन के टेक्टोनोमैग्नेटिक विकास में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए

प्रत्येक पुरस्कार में एक पदक और 50,000/- रुपये का नकद पुरस्कार शामिल है और इसे भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद के समारोह में प्रस्तुत किया जाएगा। सभी पुरस्कार विजेता उस दिन एक व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे जो उनके द्वारा किए गए वैज्ञानिक योगदान के विषय में होगा।

डॉ. विक्रम साराभाई अनुसंधान पुरस्कार, हरि ओम आश्रम, नडियाद के पूज्य श्री मोटा द्वारा प्रदत्त निधि से स्थापित किया गया था एवं पी.आर.एल. पुरस्कार, स्वर्गीय प्रो. देवेन्द्र लाल, पी.आर.एल. के पूर्व निदेशक द्वारा अरुणा लाल अक्षय निधि द्वारा समर्थित है।

PRL Honours FIVE Outstanding Scientists

Physical Research Laboratory (PRL), Ahmedabad, is pleased to announce the names of **FIVE outstanding** scientists for the **Hari Om Ashram Prerit Dr. Vikram Sarabhai Research Awards and the PRL Award - 2017** for their significant contributions in various fields.

The recipients of the **Hari Om Ashram Prerit Dr. Vikram Sarabhai Research Awards** in different fields are:

1. Space Sciences

Dr. Tirthankar Roy Choudhury, National Centre for Radio Astrophysics, TIFR, Pune, for his outstanding contributions in the field of Theoretical Astrophysics and Cosmology, involving the development of a self-consistent semi-analytical model of re-ionisation, consistent with a variety of observations.

2. Space Applications

Dr. Chintala Sudhakar Reddy, Forestry and Ecology Group, Remote Sensing Applications Area, National Remote Sensing Centre, Hyderabad, for his significant contributions in inventory, monitoring, and assessment of forest ecosystem.

3. Electronics, Informatics, Telematics & Automation

Dr. Manav Bhatnagar, Department of Electrical Engineering IIT Delhi, for his pioneering contribution towards receiver design for multi-antenna systems and fading characterization for next generation communications.

The PRL Award is shared by:

- i. **Dr. Subimal Ghosh**, Department of Civil Engineering, Interdisciplinary Program in Climate Studies, IIT Bombay, for his outstanding contributions to regional hydro-meteorological modeling using statistical and dynamical approaches which has provided new insights into processes associated with moisture transport and land-atmosphere interactions during the Indian summer monsoon; and
- ii. **Dr. Hetu C. Sheth**, Department of Earth Sciences, IIT Bombay, for his outstanding contributions to the geodynamics of the Deccan flood basalts and the tectonomagmatic evolution of the rifted margin of Western India.

Each award carries a Medal and a Cash Prize of ₹ 50,000/- and will be presented at a ceremony at the Physical Research Laboratory, Ahmedabad. All the awardees will deliver a talk on that day which will highlight scientific contributions made by them.

The Vikram Sarabhai Awards were instituted from funds provided by Pujya Shri Mota of Hari Om Ashram, Nadiad, and the PRL Award is supported by the Aruna Lal Endowment Fund established by late Prof. Devendra Lal, former Director of PRL.